

प्रेषक,

डा0 एस0एस0 सन्धू,
सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
देहरादून।

शहरी विकास/आवास अनुभाग

देहरादून:: दिनांक: 11-नवम्बर,2004

विषय: ग्याहरवें वित्त आयोग की संस्तुतियों पर प्राप्त धनराशि की उपयोगिता अवधि बढ़ाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-675/XXI/31(2002-2005)(एल0बी0सी0), दिनांक: 25 मई,2004 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें जिसके द्वारा वित्तीय वर्ष-2003-2004 में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-157/वि0अनु0-1/2004, दिनांक: 24 फरवरी, 2004 द्वारा नगर पालिका परिषद, विकासनगर के पक्ष में अवमुक्त धनराशि का कोषागार से आहरण, शासनादेश प्राप्त न हो सकने के कारण नहीं किया जा सका था, अतः उक्त धनराशि को वित्तीय वर्ष-2004-2005 हेतु स्वीकृत करने का अनुरोध किया गया था, के क्रम में मुझे आपसे यह कहने का निदेश हुआ है नगर पालिका परिषद, विकासनगर के पक्ष में शासनादेश संख्या-157/वि0अनु0-1/2004, दिनांक: 24 फरवरी, 2004 द्वारा अवमुक्त धनराशि रू0 3,11,903.00(रू0 तीन लाख ग्यारह हजार नौ सौ तीन मात्र) को वित्तीय वर्ष-2004-2005 में आहरित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है।

2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून यह सुनिश्चित कर लेंगे कि उक्त शासनादेश संख्या-157/वित्त अनु0-1/2004, दिनांक: 24.2.04 द्वारा स्वीकृत धनराशि रू0 3,11,903.00/ पूर्व में आहरित न की गयी हो, तभी इस शासनादेश द्वारा स्वीकृत की जा रही धनराशि आहरित की जायेगी।

3. उक्त धनराशि के संबंध में महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून से प्राधिकार पत्र प्राप्त कर लिया जाय।

4. वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-157/वि0अनु0-1/2004, दिनांक: 24 फरवरी, 2004 की अन्य शर्तें यथावत् रहेंगी।

5. प्रश्नगत धनराशि का उपयोग उसी मद में किया जायेगा जिस मद हेतु धनराशि स्वीकृत की गयी है।



6. प्रश्नगत धनराशि का उपयोग दिनांक: 30 नवम्बर, 2004 तक प्रत्येक दशा में सुनिश्चित कर लिया जायेगा, दिनांक: 30 नवम्बर, 2004 के पश्चात उपयोग अवधि में वृद्धि नहीं की जायेगी।

7. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष-2004-2005 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-7 के लेखाशीर्षक-3604-स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थाओं को क्षतिपूर्ति तथा समनुदेशन-01-नगरीय निकाय-192-नगरपालिका/नगर निकाय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0101-ग्याहरवें वित्त आयोग से प्राप्त अनुदान 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज्य सहायता के नामे डाला जायेगा।

8. उक्त आदेश वित्त विभाग के अशा0 संख्या- 971 / वित्त अनुभाग-1 / 2004, दिनांक: 04 नवम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत की जा रही है।

भवदीय,

(डा0एस0एस0 सन्धु,
सचिव।)

संख्या-५३३५ (1) / V / श0वि0-आ0-2004-तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- (1) महालेखाकार, उत्तरांचल (आडिट/देहरादून)।
- (2) निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षक, देहरादून।
- (3) आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- (4) निदेशक, शहरी विकास निदेशालय, उत्तरांचल, देहरादून।
- (5) वित्त अनुभाग-1, उत्तरांचल शासन।
- (6) वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- (7) अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, विकासनगर।
- (8) गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(डी0के0 गुप्ता)
अपर सचिव।